अनुसूचित जाति की सफाईकर्मी महिलाओं में धार्मिक आस्था : एक समाजवैज्ञानिक अध्ययन

डॉ0 गनौरी पासवान

सफाईकर्मी अधिकतर अनुसूचित जाति की महिलाएँ हैं। प्रारम्भ से ही अनुसूचित जाति की महिलाओं पर समाज के प्रत्येक वर्ग द्वारा शोषण एवं दबाव रहा है। वे कभी भी स्वतंत्र रूप से किसी कार्य को करने में सक्षम नहीं है। उनपर समाज एवं परिवार का प्रतिरोध बना रहता है। अनुसूचित जाति की महिलाओं की स्थिति स्वतंत्रता के 71 वर्षों बाद भी सुधरी नहीं है। उनकी स्थिति में सुधार हेतु सरकार ने भरसक प्रयास किया है। कानून में अधिनियमों के तहत उन्हें विशेष आरक्षण प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त पंचवर्षीय योजनायें, समन्वित विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार कार्यक्रम, ट्राइसेम, हाकरा एवं अनुसूचित जाति महिला कल्याण कार्यक्रम द्वारा महिलाओं की स्थिति को सुधारने की भरपूर चेष्टा की जा रही है। उनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आवास हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं,जैसे– प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र, महिला एवं शिशु संरक्षण केन्द्र तथा इन्दिरा आवास योजना। इन सारे प्रयासों का लाभ अनुसूचित जाति की महिलाओं को मिल रहा है। भारत स्वच्छ योजना के अन्तर्गत बड़े पैमाने पर सफाईकर्मी महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।